भजन

तर्ज–जन्म जन्म का साथ है तुम्हारा हमारा

धर्म कर्म रूहों का साथ तुम्हारा–2
भूले से भी भूले न हम नूरी अर्श नजारा

1– तुम हो साथ हमारे,तन मन में भी हो तुम
बंद पलक में भी तुम,खुली नजर में भी तुम
खामोशी तुमसे ही कह रही,रुह चाहे अर्श नजारा

2–तुम संग झूमें रूहें,जो हैं तुझको प्यारी
इनको ही मिलती है,मस्ती इश्क खुमारी
मस्त पिया तुझमें ही रहें,न देखें कुछ भी न्यारा

3– कोई न जाने दिल की,लागी कैसी होए
खामोश रहे हर दर्द भी,नैनां भी न रोए
ऐसे रोग का आनंद हमने लेना नहीं दुबारा